Valedictory Session of 1st Batch on "Cyber Security and Prevention from Cyber Crime"

On 25th January 2025, the Valedictory session for the Certificate Course (1st Batch) on "Cyber Security and Prevention from Cyber Crime" was hosted under the aegis of IQAC and UGDCA, Computer Centre at DAV P.G. College, Varanasi. The distinguished guests of the program were Mr. Rajeev Singh, Inspector In Charge Cyber Crime, Varanasi, Shyam Lal Gupta, Assistant Sub Inspector Cyber Crime, Varanasi, Dr. Mayank Pratap, Faculty of Law, Banaras Hindu University, Varanasi and Mr. Anupam Dwivedi, Advocate, District Court and Allahabad High Court, Prof Mishri Lal, Acting Principal DAV P.G. College, Varanasi and Mr. Ajit Kumar Singh, Manager/ Secretary, DAV P.G. College, Varanasi.

The presence of distinguished guests and experts in the field of cyber security made the event even more insightful for the students. The students had an opportunity to present their learnings and engage in discussions with professionals who are directly involved in cyber crime prevention. Large number of students, faculty members and other staff were present during the program.

Some glimpses of the program:

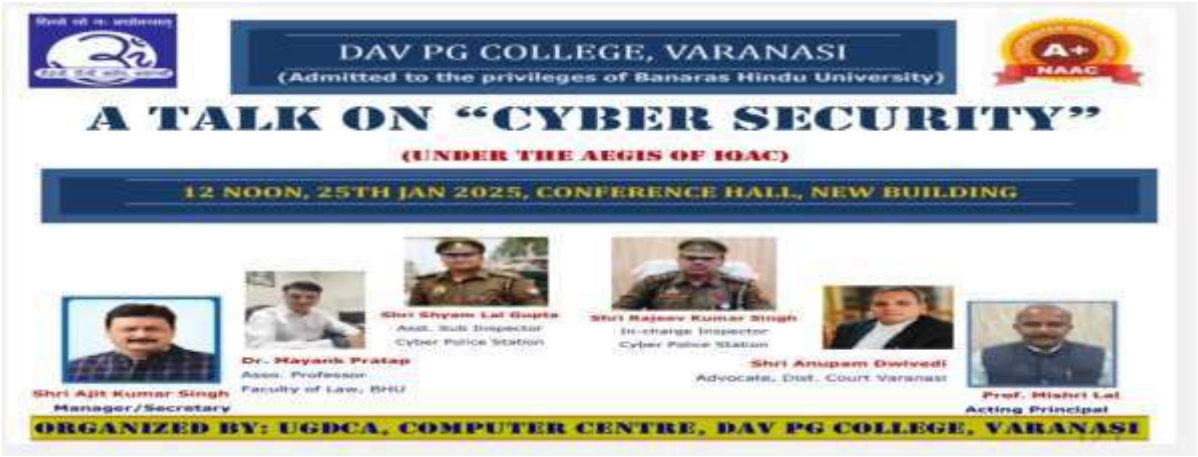

'Cyber crime is distorted form of misuse of science & technology'

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

A one-day workshop on cyber security was organised on Saturday under the Cyber Security course being run under the aegis of UGDCA, Computer Centre, operated under IQAC at DAV PG College. Chief guest and Inspector in-charge of Cyber police station, Varanasi Rajeev Kumar Singh said that cyber fraudsters make people their victims by taking advantage of greed and ignorance.

"There is no need to be afraid of them, but there is a need to be aware and alert", he said, adding that for any cyber crime, immediately inform the toll free number 1930 issued by the government. In the last one year, more than 100 thugs, fraudsters have been sent behind bars and Rs 5.5 crore was recovered from them, he claimed. Key speaker and cyber expert ASI Shyamlal Gupta of Varanasi police commissionerate said that at present there are more than 300 types of cyber frauds, which are making people their victims. According to the report of the Home Ministry, the area from Sigra to Bhelupur in Varanasi has become a hot spot of cyber fraud as 8-10 cases are being registered daily and out of which we are able to dispose of many cases quickly. He said that the police never does online inquiry, so there is no need to be afraid of calls coming in the name of police.

Special speaker Dr Mayank Pratap (Associate Professor of Law Department, BHU) said that there should be more talk of cyber security than cyber crime as India ranks third in the world in cyber attacks and in such a situation we need to be more aware. Senior advocate Anupam Dwivedi said that India is a big market for digital criminals, the race to earn quick money traps us in their net. Presiding over the function, the acting principal of the college Prof Mishrilal said cyber crime is a distorted form of misuse of science and technology, awareness about it is necessary for all sections of the society. Before this, the secretary/ manager of the college Ajit Kumar Singh Yadav welcomed the guests by presenting them with mementoes and shawls. The programme was coordinated by course coordinator Dr Shantanu Saurabh. It was conducted by Najam Ujj Jamal. Vice-Principal Prof Rahul, Prof Sangeeta Jain, Prof Satyagopal, Prof Vijaynath Dubey, Prof Sanjay Sah, Kaveri Sharma, Sandhya Shrivastava, Rozina Bano etc were also present.

SEMINAR: An interactive seminar on 'From Isolation to Connection: Understanding peer support system' was held in the Institute of Management Studies, Banaras Hindu University on Friday. The event was led by pyschological counsellor Divya Singh. The session was organised by Student Wellbeing Committee.

पांच दिन शुक्रवार को विशेषज्ञों द्वारा यह बातें जाएगी। विधि संकाय के डा. मयंक प्रताप ने साइबर लॉ और सेफ ब्राउजिंग हमेशा नई तकनीक के साथ आगे बढ़ते रहना होगा। पीजी की छूटी हुई मिड टर्म की परीक्षाएं 27 जनवरी को आयोजित की जाएगी। पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की तिथियों की जानकारी अति शीघ्र ही दी जाएगी।

सतर्कता ही साइबर ठगी से बचाव का रास्ता: राजीव सिंह

कार्यशाला

डीएवी पीजी कालेज में साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन

वाराणसी। डीएवी पीजी कॉलेज में आइक्यूएसी के अंतर्गत संचालित यूजीडीसीए, कंप्यूटर सेंटर के तत्वावधान में चल रहे साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय परिचर्चा (कार्यशाला) का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि वाराणसी साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि साइबर ठग लालच और अधिकता का फायदा उठाकर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इससे डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि जागरूक व सतर्क होने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि किसी भी साइबर अपराध के लिए सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1930 पर तत्काल सूचना दें। पिछले एक वर्ष में 100 से अधिक ठगों, जालसाजों से 5.5 करोड़ रुपये वसूल कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है।

मुख्य वक्ता पुलिस कमिश्नरेट के साइबर विशेषज्ञ एएसआई श्यामलाल गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में साइबर ठगी के 300 से ज्यादा प्रकार है, जिनसे लोगों को अपना शिकार बनाया जा रहा है। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार बनारस में सिगरा से लेकर भेलूपुर तक का क्षेत्र साइबर ठगों का हॉट स्पॉट बन चुका है। वाराणसी में 8-10 केस रोजाना दर्ज किए जा रहे हैं, जिनमें से काफी केस को हम सीधता से निस्तारित भी कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस कभी भी ऑनलाइन पूछताछ नहीं करती है, इसलिए पुलिस के नाम से आने वाली कॉल से डरने की आवश्यकता नहीं है। विशिष्ट वक्ता बीएचयू लॉ विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. मयंक प्रताप ने कहा कि साइबर क्राइम से ज्यादा साइबर सुरक्षा की बात होनी चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी ने कहा कि डिजिटल आतंकवादियों के लिए भारत एक बड़ा बाजार है, जल्दी पैसा कमाने की होड़ ही हमें इनके जाल में फंसाती है।

अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल ने कहा कि साइबर अपराध विज्ञान एवं तकनीक के दुरुपयोग का विकृत स्वरूप है, इससे जागरूक होना आवश्यक है। इसके पूर्व महाविद्यालय के मंत्री/प्रबंधक अजीत कुमार सिंह यादव ने अतिथियों का स्वागत स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर किया। संयोजन समन्वयक डा. शान्तनु सौरभ ने व संचालन नजम उज्ज जफाल ने किया। इस मौके पर उपाचार्य प्रो. राहुल, प्रो. संगीता जैन, प्रो.सत्यगोपाल जी, प्रो. विजयनाथ दुबे, प्रो. संजय साह कावेरी शर्मा, संध्या श्रीवास्तव, रोजीना बानो आदि उपस्थित रहे।

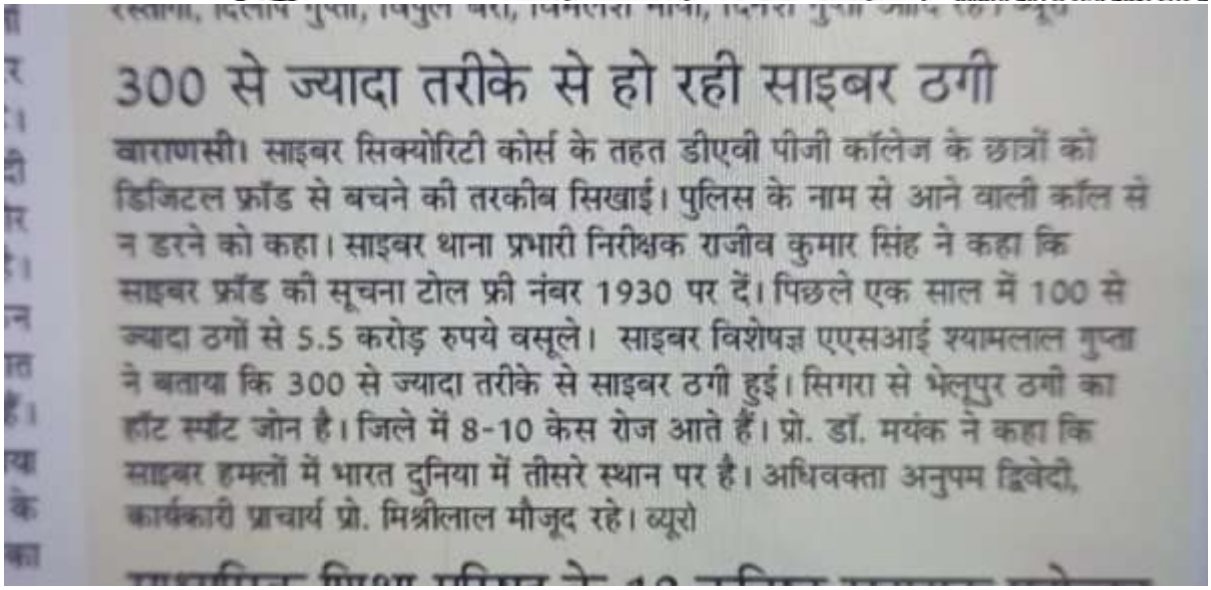

300 से ज्यादा तरीके से हो रही साइबर ठगी

वाराणसी। साइबर सिक्योरिटी कोर्स के तहत डीएवी पीजी कॉलेज के छात्रों को डिजिटल फ्रॉड से बचने की तरकीब सिखाई। पुलिस के नाम से आने वाली कॉल से न डरने को कहा। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने कहा कि साइबर फ्रॉड की सूचना टोल फ्री नंबर 1930 पर दें। पिछले एक साल में 100 से ज्यादा ठगों से 5.5 करोड़ रुपये वसूले। साइबर विशेषज्ञ एएसआई श्यामलाल गुप्ता ने बताया कि 300 से ज्यादा तरीके से साइबर ठगी हुई। सिगरा से भेलूपुर ठगी का हॉट स्पॉट जोन है। जिले में 8-10 केस रोज आते हैं। प्रो. डॉ. मयंक ने कहा कि साइबर हमलों में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी, कार्यकारी प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल मौजूद रहे। ब्यूरो

बालिका से कम नहीं है। समाज छात्राएं मौजूद रहीं।

साइबर सिक्योरिटी पर परिचर्चा आज

वाराणसी। डीएवी पीजी कॉलेज के आईक्यूएसी के अंतर्गत संचालित यूजीडीसीए, कंप्यूटर सेंटर के तत्वावधान में आज शनिवार को साइबर सिक्योरिटी पर विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शांतनु सौरभ ने बताया कि 25 जनवरी को वर्तमान समय मे अत्यंत प्रासंगिक साइबर सुरक्षा के विषय पर व्यापक विमर्श हेतु एक दिवसीय परिचर्चा आयोजित की गई है, जिससे विद्यार्थी इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकें। कार्यक्रम में साइबर कानून के जानकारों के साथ साथ साइबर पुलिस के अधिकारी भी शामिल होंगे। वक्ताओं में मुख्य रूप से बीएचयू, विधि विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मयंक प्रताप, वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी, साइबर थाना, वाराणसी के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह सहित कई साइबर एक्सपर्ट शामिल है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मंत्री/प्रबंधक अजीत कुमार सिंह यादव एवं कार्यकारी प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल विशिष्ट रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन मध्यान्ह 12 बजे से महाविद्यालय के नई बिल्डिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा।

साइबर सिक्योरिटी पर परिचर्चा आज

वाराणसी (जनवार्ता)। डीएवी पीजी कॉलेज के आईक्यूएसी के अंतर्गत संचालित यूजीडीसीए, कंप्यूटर सेंटर के तत्वावधान में शनिवार को 'साइबर सिक्योरिटी पर विशेष परिचर्चा' का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शांतनु सौरभ हैं। कार्यक्रम में साइबर कानून के जानकारों के साथ साथ साइबर पुलिस के अधिकारी भी शामिल होंगे। वक्ताओं में बीएचयू विधि विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मयंक प्रताप, वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी, साइबर थाना, वाराणसी के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह सहित कई साइबर एक्सपर्ट शामिल है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मंत्री/प्रबंधक अजीत कुमार सिंह यादव एवं कार्यकारी प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल विशिष्ट रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से होगा।

साइबर ठगी: सतर्कता ही बचाव का रास्ता - राजीव सिंह

गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में वाराणसी के सिगरा–भेलूपुर इलाका बना साइबर ठगी का हॉट स्पॉट

वाराणसी। डीएवी पीजी कॉलेज में आइक्यूएसी के अंतर्गत संचालित यूजीडीसीए, कंप्यूटर सेंटर के तत्वावधान में शनिवार को साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय परिचर्चा (कार्यशाला) का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि साइबर ठग लालच और अनभिज्ञता का फायदा उठाकर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इन ठगों से डरने की बजाय हमें जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि किसी भी साइबर अपराध की सूचना सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1930 पर तुरंत दी जानी चाहिए। पिछले एक साल में साइबर अपराधियों से 5.5 करोड़ रुपये वसूलकर 100 से अधिक ठगों को सलाखों के पीछे भेजा गया है। राजीव कुमार सिंह ने कहा, "साइबर ठगों से बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। यदि हम सभी जागरूक होंगे तो इन ठगों का सामना किया जा सकता है।" उन्होंने यह भी बताया कि साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और लोगों को अधिक सचेत रहकर इनसे बचने की आवश्यकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के साइबर विशेषज्ञ एएसआई श्यामलाल गुप्ता ने साइबर ठगी के 300 से अधिक प्रकारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वाराणसी का सिगरा से भेलूपुर तक का इलाका साइबर ठगी का हॉट स्पॉट बन चुका है। प्रतिदिन इस क्षेत्र में 8 से 10 साइबर ठगी के मामले दर्ज हो रहे हैं, और इनमें से कई मामलों को पुलिस शीघ्र निस्तारित कर रही है। एएसआई श्यामलाल गुप्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस कभी भी ऑनलाइन पूछताछ नहीं करती है, इसलिए पुलिस के नाम से आने वाली कॉल से डरने की आवश्यकता नहीं है।

विशिष्ट वक्ता के रूप में बीएचयू के लॉ विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मयंक प्रताप ने साइबर सुरक्षा की महत्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत साइबर हमलों में दुनिया में तीसरे स्थान पर है, और ऐसे में हमें और अधिक जागरूक रहने की आवश्यकता है। डॉ. मयंक ने यह भी बताया कि साइबर अपराधों से बचने के लिए लोगों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन साझा करने से बचना चाहिए और मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी ने कहा कि भारत डिजिटल अपराधियों के लिए एक बड़ा बाजार बन चुका है। उन्होंने बताया कि लोग जल्दी पैसा कमाने की होड़ में इन अपराधियों के जाल में फंस जाते हैं। उन्होंने लोगों को सतर्क रहने और अपनी जानकारी ऑनलाइन साझा करने से पहले दो बार सोचना जरूरी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य प्रो. मिश्रीलाल ने साइबर अपराध को विज्ञान और तकनीक के दुरुपयोग का विकृत रूप बताया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से संबंधित जागरूकता सभी वर्गों के लिए जरूरी है, क्योंकि यह समाज के हर हिस्से को प्रभावित कर सकता है।

इस कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के मंत्री/प्रबंधक अजीत कुमार सिंह यादव ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान किए। इस अवसर पर कार्यशाला का संयोजन पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. शान्तनु सौरभ ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन नजम उज्ज जमाल ने किया। कार्यशाला में महाविद्यालय के उपाचार्य प्रो. राहुल, प्रो. संगीता जैन, प्रो. सत्यगोपाल, प्रो. संजय साह, विभाग के कावेरी शर्मा, संध्या श्रीवास्तव, रोजीना बानो सहित अन्य प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों और आम जनता को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे इन अपराधों से बच सकें और साइबर सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बना सकें।